DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
GOVT.V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE .DURG CHHATTISGARH

अध्ययन सामग्री निर्माण
Dr. SHAKEEL HUSAIN
Head . Dept. of Political Science
Govt. VYT.PG Autonomous College
Durg CG.
shakeelvns27@gmail.com

एक अनुशासन या विषय के रूप में लोक प्रशासन का विकास

प्रथम चरण - 1887-1956

प्रिंसटन विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर वुडरो विल्सन ने 1887 मे **Political science quarterly** मैं प्रकाशित अपने शोध पत्र द स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन मे राजनीति प्रशासन अलगाव की वकालत की। और कहा कि " संविधान का निर्माण सरल है किन्तु उसे चलाना कठिन है । " उन्होंने इसे चलाने वाले लोगों के ज्ञान और प्रशिक्षण पर-बल देकर कहा कि एक प्रशासन का पृथक अध्ययन आवश्यक है। विल्सन लोक प्रशासन के जनक माने जाते है ।

1900 मे फ्रैंक जे गुनाडउ ने पॉलिटिक्स एंड एडमिनिस्ट्रेशन लिखी और बिल्लन के विचार का समर्थन किया। उन्होंने लिखा कि राजनीति का सम्बन्ध राज्य की इच्छा से है और प्रशासन का सम्बन्ध इस इच्छा को कार्यान्वित करने करने से है। 1914 में पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन में प्रकाशित अपनी एक रिपोर्ट में गुडनाउ ने कहा कि योग्य प्रशासकों की पूर्ति ही राजनीति का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है 1926 में लोक प्रशासन की प्रथम पाठ्यपुस्तक होने का श्रेय एलडी वाइट द्वारा लिखी गई इंट्रोडक्शन टू द स्टडी ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन को जाता है । उन्होंने भी राजनीति और प्रशासन के अलगाव की वकालत की । इस प्रकार लोक प्रशासन के विकास का प्रथम चरण राजनीति प्रशासन द्वैतभाव अर्थात राजनीति और प्रशासन के अलगाव से संबंधित था । दूसरे शब्दों में यह लोक प्रशासन की स्वायत्तता या लोक प्रशासन को एक स्वतंत्र विषय के रूप में स्थापित करने के प्रयास से संबंधित था जिसमें यह सफल भी हुआ ।

द्वितीय चरण - 1927 से 1937

लोक प्रशासन के विकास का द्वितीय चरण लोक प्रशासन के सिद्धांत निर्माण के लिए प्रसिद्ध है । इस सिद्धांत निर्माण के कुछ कारण भी थे ।

1- रूस में साम्यवादी क्रांति के कारण मजदूरों और औद्योगिक कुशासन की समस्या है यह बता रही थी कि पूंजीवादी देशों को प्रशासन के क्षेत्र में विशेषकर औद्योगिक प्रबंध के क्षेत्र में सुधार करने की आवश्यकता है जिससे श्रमिक असंतोष को रोका जा सके इसके लिए प्रशासन के संबंध में आवश्यक शोध करना जरूरी था जो कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में भारी मात्रा में किया गया ।

2- रूजवेल्ट की न्यू डील कार्यक्रम के लिए भारी मात्रा में कुशल प्रशासकों की जरूरत थी और उन प्रशासकों को प्रशिक्षित किए जाने की भी आवश्यकता थी जिसके लिए प्रशिक्षण के वैज्ञानिक सिद्धांत आवश्यक थे, जिनका विकास किया गया ।

इस अवधि में बहुत ही भारी मात्रा में शोध कार्य किया गया। कई महत्वपूर्ण लेखकों ने ऐसी किताबें लिखी जिन्होंने लोक प्रशासन के कालजयी सिद्धांत निर्मित किए। इमेज महत्वपूर्ण पुस्तक के थे

- डब्लू एफ विलोबी - प्रिंसिपल्स ऑफ़ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन।
- मूने - प्रिंसिपल्स आफ ऑर्गेनाइजेशन
- हेनरी फयोल - इंडस्ट्रियल एंड जनरल मैनेजमेंट
- मेरी पार्कर फालेट - क्रिएटिव एडमिनिस्ट्रेशन मूने एवं रीले - क्रिएटिव एक्सपीरियंस आदि।

किंतु सर्वाधिक मशहूर काम लूथर गुलिक और लिंडाल उर्विक ने किया जिन्होंने अपने लेख पेपर्स ऑन द साइंस ऑफ़ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में प्रसिद्ध **POSDCORB** सिद्धांत दिया। पोस्डकार्ब सिद्धांत संगठन का ऐसा वैज्ञानिक सिद्धांत बन गया जिसके बिना निजी या सरकारी छोटे या बड़े किसी भी प्रकार के संगठन निर्माण की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी।

इस प्रकार लोक प्रशासन के विकास के द्वितीय चरण में सिद्धांत निर्माण करने वाले विद्वानों का बोलबाला रहा और उन्होंने जो सिद्धांत विकसित किए वह लोक प्रशासन के अध्ययन सामग्री के आधार स्तंभ बने।

तृतीय चरण - **1938 - 47**

लोक प्रशासन के विकास का तीसरा चरण दूसरे चरण के विरुद्ध एक प्रकार की प्रतिक्रिया थी। अर्थात दूसरे चरण में जहां सिद्धांत निर्माण पर बल दिया गया वहीं तीसरे चरण में सिद्धांत निर्माण की अधिकता की आलोचना की गई। और यह कहा गया लोक प्रशासन मे माननीय व्यवहार और मनोविज्ञान के अध्ययन पर बल दिया जाना चाहिए। और ऐसा व्यवहारिक शोधों के द्वारा किया गया। एल्टन मेयो और उनके साथियों द्वारा किए गए हाथर्न प्रयोग ने लोक प्रशासन में लगभग एक क्रांति सी ला दी। वेस्टर्न इलेक्ट्रिक कंपनी में हाथर्न प्रयोग नाम से एक व्यावहारिक प्रयोग किया गया। जिसमें उन्होंने कर्मचारियों के कार्य की दशा में सुधार किया उनके बीच मानव संबंधों का अध्ययन किया उसमें सुधार के उपयोग किए जिसके उपरांत उत्पादकता में वृद्धि हुई। इस प्रकार हाथर्न प्रयोग ने मानव संबंध आंदोलन की न्यू डाल दी इसके पश्चात हर्बर्ट साइमन और चेस्टर आई बर्नार्ड ने सिद्धांत निर्माण को किवदंतियो की संज्ञा दी और उसकी कठोर आलोचना की।

1938 में चेस्टर बर्नार्ड की प्रसिद्ध रचना फंक्शंस ऑफ एग्जीक्यूटिव प्रकाशित हुई जिसमें उन्होंने किसी भी सिद्धांत का वर्णन नहीं किया इसी प्रकार हर्बर्ट साइमन ने आपकी रचना एडमिनिस्ट्रेटिव बिहेवियर में सिद्धांतों की बजाय प्रशासन के व्यवहारिक ज्ञान पर अधिक बल दिया हर्बर्ट साइमन जिनको की नोबेल पुरस्कार भी मिला वे संगठन के सिद्धांत की बजाए नीति निर्माण प्रक्रिया को अधिक महत्व देते हैं। इस प्रकार तीसरा चरण रण लोक प्रशासन को विज्ञान और व्यवहारिक ज्ञान के संपर्क में ले आया जो की बहुत ही महत्वपूर्ण घटना थी।

चतुर्थ चरण **1948 - 70 .**

लोक प्रशासन के विकास का चौथा चरण पूरी तरह व्यवहारवादी आंदोलन से प्रभावित था यह वही समय था जब राजनीति विज्ञान में डेविड ईस्टन के नेतृत्व में व्यवहारवादी आंदोलन

अपने शिखर पर था स्वाभाविक रूप से इसका प्रभाव प्रशासन पर भी पड़ा जिसमें सबसे महत्वपूर्ण योगदान तीसरे चरण से ही आ गया था । एल्टन मेयो चेस्टर आई बर्नार्ड, हर्बर्ट साइमन आदि के प्रयासों ने व्यवहारवादी अध्ययन के महत्व को स्थापित कर दिया था । जिन लोगो ने इसको और आगे बढ़ाया उनमें महत्वपूर्ण है -

- **Robert A Dahl** - The science of Public Administration: Three problems.
- **Chris Argyris** - Personality and Organization (1957) and Integrating the Individual and the Organization (1964) Interpersonal Competence and Organizational Effectiveness (1962) and Organization and Innovation (1965).
- **Douglas Mcgregor -** The Human Side of Enterprise, 1960.
- **Rensis Likert -** New Patterns of Management (1961) Human Organization : Its Management and Value (1967)

इन रचनाओं में संगठन से अधिक प्रबंध प्रबंध के विज्ञान पर बल दिया गया था जो अमेरिका के औद्योगिक परिवेश के अनुरूप ही था जैसे कि क्रिस आरगाइरिस ने पदसोपान के सिद्धांत में संशोधन कर उसमें सम्पर्क के नए रास्ते बनाए, और अन्य लोगों ने भी संगठन एवं प्रबंध के परंपरागत सिद्धांतों में आमूलचूल परिवर्तन किया तथा व्यावहारिकता पर बल दिया जिस प्रकार चौथे चरण तक आते-आते लोक प्रशासन वैज्ञानिक प्रबंध और व्यावहारिक प्रयोगों से काफी समृद्ध हो चुका था ।

पांचवा चरण **1971** के बाद से

पांचवा चरण वस्तुतः लोक प्रशासन में नवीन लोक प्रशासन के नाम से भी जाना जाता है जिसमें लोक प्रशासन को पुरानी मान्यताओं से मुक्त कर अंतर विषय आत्मक अध्ययन की ओर ले जाने का प्रयास का उसने दो नाम अत्यधिक महत्वपूर्ण है फ्रैंक जे मेरिनो और ड्वाइट वाल्डो । फ्रैंक जे मेरिनो की पुस्तक टुवर्ड्स ए न्यू पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन *:* ए मिनोब्रुक पर्सपेक्टिव और डाइट वर्ल्ड की रचना पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इन ए टाइम आफ टर्बुलेंस बहुत ही महत्वपूर्ण है । इसके अलावा कंप्यूटर विज्ञान के शोध का भी अद्वितीय बंद और समस्त प्रकार के प्रबंध शास्त्र पर गंभीर प्रभाव पड़ा परिणाम स्वरूप कंप्यूटर से संबंधित अनेक प्रबंधकीय कार्यक्रमों का न केवल विकास हुआ बल्कि उन्हें लोक प्रशासन में अपना भी लिया गया जिनमें महत्वपूर्ण थे**ns PERT (Programme Evaluation and Review Technique), PPBS (Planning Programming Budgeting System) and OR (Operations Research)** आदि ।

इन विकासों और सामाजिक विज्ञान में होने वाले परिवर्तनों के परिणामस्वरूप सामान्य प्रशासन या जेनेरिक प्रशासन की अवधारणा सामने आई है।

सामान्य प्रशासन इस विचार को संदर्भित करता है कि सभी प्रशासन, चाहे वह सार्वजनिक हो या निजी, अनिवार्य रूप से समान है और समान ज्ञान और प्रक्रियाओं का उपयोग करता है। परिणामतः लोक प्रशासन मे 'प्रबंधन विज्ञान' दृष्टिकोण प्रचलन में आया । सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के प्रबंधन दोनों के लिए प्रशिक्षण प्रशासकों के उद्देश्य से अकादमिक कार्यक्रम भी विकसित किए गए ।

समसामयिक स्थिति

समसामयिक रूप मे लोक प्रशासन और इसके विकास के अध्ययन ने सार्वजनिक नीति के लिए बहुत रुचि प्रदर्शित की है। सरकारें अब अधिक से अधिक कल्याणकारी कार्यक्रमों को तैयार करने और लागू करने की कोशिश करती हैं अतः नीति निर्माण, नीति क्रियान्वयन, निर्णय लेना लोक प्रशासन में अध्ययन के प्राथमिक क्षेत्र बन गए हैं। लोक प्रशासन में लेखकों ने नीति विज्ञान के संबंधित क्षेत्रों में भी बहुत रुचि दिखाई है । राजनीतिक अर्थव्यवस्था , सार्वजनिक नीति बनाने की प्रक्रिया और इसका विश्लेषण, और नीति आउटपुट का मापन।

नीति विश्लेषण दृष्टिकोण आदि अपनाने से लोक प्रशासन ने सामाजिक प्रासंगिकता हासिल कर ली है और यथार्थवादी बन गया है तथा निरंतर प्रगतिशील है ।

Reference

- Fredrick C. Mausher, public administration | History, Examples, Types, & Principles, Encyclopedia Britannica (2021), https://www.britannica.com/topic/public-administration
- Sahabuddin Mondal, legal India, Nature And Scope of Public Administration Legalservicesindia.com (2021), http://www.legalservicesindia.com/article/2311/Nature-And-Scope-of-Public-Administration.html
- Tanya Frantz, Evolution of Public Administration as a discipline and Woodrow Wilson#039;s Essay, Drtktopecollege.in (2021), http://drtktopecollege.in/pol/node/241

गृह कार्य (शाब्द सीमा **200** शब्द)

1. एक विषय के रूप में लोक प्रशासन के विकास पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।
2. राजनीति प्रशासन अलगाव पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें ।
3. लोक प्रशासन के विकास में मानव संबंधी आंदोलन के योगदान की व्याख्या कीजिए ।
4. अपने चौथे चरण में लोक प्रशासन किन तत्वों से संबंधित रहा स्पष्ट कीजिए ।
5. लोक प्रशासन में सिद्धांति करण के प्रयासों की समीक्षा कीजिए ।